

лідносеч ленс *स्ट्रमऋाणी हेस*र म्हळळह *हम* टेनटाए *न्देश*णणणार्थकर् र्राप्यतम स्वर्धिक स्वर्धाः क्रीम समध्य अध्यामा



टे<u>ज्ञल</u>्सम लीष्ठणी (स्ट्रत THOU COUNT HERE ष्टम *षेत्रेम<u>ाक</u>्षित्रेक्ष* मर*ेडसे पाउर भाग श्वीस*र्थं म



लेग्गेट्टिस अस्म अस्म-**इट्टें प्रसन्ध** गाउरे प्रेक्ष टीष्ठ होप्रक्रए गेगठदर्ज 'छठभभक्षेषादर्ज मञ्जाम ऋएए टैएए४



ज्रहरूरी होगर्प *छोभा*म प्राप्त गोद्र्य प्राप्तः यार्थं परक्रेग प्राञेष्टर ह्टोधन्न प्रामश्राण गाक्षकाञ्चल प्रोटेस አሮ<u>አው</u>ፖየሪሆ ብሄሮ प्रााणिकः ऋरामारा

828ஆ നിവല് ന്റെ हा जोला है हो जा अध्यक्त है जिस्सार के अध्यक्त करा है जिस्सार के अध्यक्त करने हैं जिस्सार के अध्यक्त

HUEIYEN LANPAO

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282

प्रणास्त्रीत हर रंग स्थान स्था

અલ્ટામાં કામાં કામાં કામાં ત્રાપાલ કામાં કામ કામાં કામ કામા કામાં કામાં કામાં કામાં કામાં કામાં કામાં કામાં મા

म्बर्गातम्बरमञ्जून ऋष्तिः गाः ऋस Eुगाळुआपळसु ॥

श्वीसः माज्युः सन्दर्भ रा उष्टाध्या स्वयं स्वयं अरस्य യായിരുന भेरोज्ञ भिष्य णाट अर्थे अज्ञा स्र स्थापिर स्थापिर स्थापिस स् १.३० साएट होते हे स्थान त्राप्त हा स्थान स्थान स्थान ेल गोरुब्रस्टव्यटी॥

उधियोह्रज्ञन्त हरी गामी<u>यतः</u> हिलीत ॥ <u>भत्</u>रीमा पोलपर्याण्य हल भरज्ञः जन्मभी हज्ज

TWCHID.2

लिएणाज्याल

मधेपलीय लिक्सिस

भिदर्गाः । गार् । ला अधाः (अप्र

ीष्णात्रमी ७°८ ए (भट हिंस

മുക കുടുത്തു. പുരുപ്പാരു

र्राष्ट्र प्रभिन्न रत्यायम भाञ्च ४५%

८६ मण्डल मेड स्थाप्त स

ग्रमण ए.स. भानामान्धर

त्रेह, टा प्राचित उप्टामिटा उर्वे

१०४ धर्म ४ दर्भ भ्रत्याभी

ग्रदंग भरताभार गार्चम

र॰एमिटामा यथा देश र

गाती एक अप्र उदर्श गिष्ठ हुआ हैर

रञ्जाया ५ (भट दूम भूष्य भार

HL Poll

Q: Hospital da angang unabada mama sibagi thoudok

na thousadabadagira?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak

www.hueiyenlanpao.com da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Supreme Courtna fakapki

judgement yaningbra?

Yes 91% No 09%

血い S,2とも。。i

ीणदर्श्यों हुम, होर जाध्युदर्श पा॰र व्यलेख्नर्राण लेकर प्रेत्रण...?

ाँए नेडटरहाँ ग्रांसीए डॉनएां...!

case ka mari leinana piba

Yes No

ayamba layengliba doctor

करामन्त्री अध्याप

നിമെതിനെത്തു മക്കെ

ಸೕಚಿತ್ರ ಸ್.

र एति स्टाम

पा॰ठठरण

ന്യായിലായ്ക്കുട

மூதவாரம்

भर देशक

विद्याधिक मार्थिक मार्यिक मार्थिक मार्यिक मार्थिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्यिक मार्

ഗ്രേഷടി ॥

ያያያያያ

M(A, F, C)A,

प्रभेष्टर

യു കം മ്പാമക

ीणान्द्रष्ट्रदर्गा

मेहम समटा ॥

७७७ र्र्फ) १२ दर्5ऽ, र्र्डमद

॥ <u>भम्</u>द्रीगात प्री<u>णभुष</u>्ठ ० ०२२,२२ प्रार्थिय राज्यां प्रजापित प्रतापाद क्षा प्रजाप १२ दर्ने , त्रं मत उराज व सराम भराया भीभेर सार्वाणीय स्तर्धित स्तर्भात भୀठीए भ्रट $^{\prime\prime}$ ए ଲଫେ $^{\prime\prime}$ फ समठ र्जापस राभीस ीपार एग्या राज्य । प्रस्ति भ्रम् । प्राप्ति भ्रम् । भ्रम्भ भ्रम्भ भ्रम्भ भ्रम्भ । र प्रांटापारक गिरिजर्क ठीत्र जस्के पाधाराव नर्रह जीह हर्दम पाः ॥ राजाँ मर्क ००% जीर मे गिराजीव्य भरजार अध्याभा रूप्रभाविराज्य विवास माराज्या माराज्या माराज्या है सार्थ है स्वाप्त है सार्थ है सार्य है सार्थ है सार्य है सार् णीटी हर्दम ीपामी<u>माए</u> ४७°मणडणीह मंड भर्रणा ॥ विमय पार्थभीम एदर्ल भर्षे राज्य राज्योडी पामकीणाइएए ए २१२ राष्ट्रण विरोटिए य उमाध्य मारुणाम॰ एउस्ए राष्ट्रप्र राष्ट्रप्र क्राञ्च राष्ट्रप्र राष्ट्रप्र रफ्टें पालस्त् माप्य रूपापाथर ॥ <u>भवर</u>्त भणमाध्य राजपार्ट फरापार्ट प्रत्याप्य नाय राजपार एक एपारा ।

ा भन्नर्ए प्राणिष्ठः तामित्रं भा त्राहमर्ए भन्नर्छः प्रजन्म सङ्ग्रा मही कि तज्जाति जन्म भन्नि अप रिष्या पारम स्वरुपार्थर , भराजार स्वरुपार स्वरुपार स्वर्ण भारती जिल्ला मित्र विकास

मा के बे बार मा के बाह मा कि बाह मा कि साम कि साम कि साम कि साम मा कि साम मा कि साम कि **जन्लेन्स्यार जानवारम्य हरेह्र लन्साय ,ोबदर्न** ७४००० द्रे

୷୵୷୬ଂବ भिष्यञ्चारी राजे प्रज्ञात प्रात्ये व्यातान्त्र कार्यात कार्यात भाषात । भिष्ठाभेक राजे व्यातान्त्र प्रज्ञातिक व्यातानिक व्याता

ऋँद्राधार ॥ रियार्यक्रार्यः अथदर्क् १५५५ है एउन्होंस स्राथभञ्<u>रत्यः</u> ॥ <u>भन्त्य</u>र्वायः स्र २२०३ मडसञ्चल १ण ०२-२००३ ५मास र्द्या रिक्रास निवस्ता महाराज्य स्थाना स्थान स्थान स्थान विकार विक ාවණයා සම්බාණ රු සහ වා සින්න විසාග කරන වන්න වන්නේවා වන්නේවා වන්නේවා වන්නේවා වන්න නැති දාගාසියා අයා මාසා මාස් මේ වූ වස් වස් මේ සම්පාස් සම්පාස් මේ වෙන වේ සම්පාස් සහ මාස් සහ වස් වස් වස් වස් වස්වාස්

ළැෆ් ප්ලොෆ් ीभ्यत्यस्य पर्यक्रित सप्तर्थ सप्तर्थित स्वाधिक स्वाधिक स्वरंभ विश्वर रिकार स्वरंभ भगाम राधिक प्रेमिक सर्वार प्राप्त ।। विचार्च प्रथम त्यार राष्ट्र प्रमहं अराम राधिक अर्थार राष्ट्र ॥ विभन्न वर्षात एक सम्बन्ध वर्षात प्रकार सम्बन्ध महस्र भ क्रिस्सण दण्ण एक मध्य उत्तर जिस्सा विद्यारिक्षण्य ॥ विभन्न भामी<u>ष्यल</u> हर्रम भीवाम हाराज्य पालमण २३ हिच पारच भारजीमा हिष्य रहिपा हर्म ຮ୭ାଇଂ୪୪ ଅର୍ଜ୍ୟୁ ଘାର୍ଟ୍ର । <u>भ</u>ञ्जूषाध्याम म'5 ୪୧ ୀନ୍ଧର୍ବନ୍ୟ । ବିଧାର । ବ୍ୟର୍ବନ୍ୟ । ବ୍ୟର୍ବନ୍ୟ ନ୍ଦାର୍ଦ୍ୟ ନ୍ଦାର୍ଦ୍ୟ । #15555491ෆ් නාම්රාය්ව්මන්දවායි දුන්දෙවැවැඩව්වෙන් දෙයා වශ්නවාන්වෙන්වෙන් දෙන්වෙන්වෙන්

ू एक अण्या स्वाप स्वाप्त क्षात्र हुन स्वाप्त हुन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

र्कण रीज्यान्धरस्य सर्वण्यस्य सम्बन्ध । अधिक के सार विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास

रह्मण्योजील पार्रयोज्ञ रक्षा दर्सम जप्योलद्धिम स्वम ॥ जिमम जहीण मरम-जेम रप्योलद्धिम

रम जरमान्य प्रदेश राज्य प्राचित्रक स्थान राज्य राज्य विषय प्राच्या के स्थान

र हराया येटा प्राप्त होते होता. मंश्राप्त कर याप मन्याप अधिक वर्षा है। यह स्व

ा १००५ वर्ष मार्सित समर्थन प्रात्मकेष व्यवस्त हैं मध्ये होत्रव्यक्ति असुर

भारपञ्जीसग्रभ्तः जगासभाषा

महमड र जिरिटाया रमहमधम परिधम हमधँद जिल्लास्याँद प्राचिपाल

जिल्लामा उत्रहें प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त मध्य उदर्ज

णमर्रे राजहर्न् रज्ञण रोज्रप्पध्यार्था

॥ गिष्णामा भेर पार्टिस भार के साम मार्म साम मार्म सहम

स्तिम्या क्रियाक्त स्वारामिक

अयुष्ट <u>प्रज्ञ</u>भारा

र वे जिल्ला में निर्मात कार्य के जिल्ला में राजा में राजा में प्राचित्र के

ें जिस्हा प्रस्कार एक हैं । जिस्हा भारत है ।

विदर्धायात अस्ता कराणकीर विश्वास

The state of the second $\frac{\partial u}{\partial x}$ and $\frac{\partial u}{\partial y}$ and $\frac{\partial$

॥ रियाम हेर भी सहस्र , दर्व अस्र भारत कराने

कि गास्तर्गाताला स्र हे गाराम के र्योंग १२ दर्वेठ , र्वमद

प्रज्ञनर्याष्ट्र

प्यमस्रीगारण्यन्दर्भ मण मस्रम५ एदर्५ ोगापर ोगादर्भय ॥५ ऋउद्रिष्ट

ା ଅଦାର ଅଟେ ଅଟେ ଅଧିକ । ଅଟେ । ଅଧିକ । ଅଧିକ ଅଧିକ । ଅଧିକ ।

क्रज्ञाम सम्बन्ध ००० ज्ञारीत्राहरम् हिंदो अंदीलीव्सम्भाग ॥ अत्यन्न विचन्त्र विचन्त्र विचन

വാഗംഷവുപ ७णस्टामार्थ उटाहिभम्र CHINC Æ₽ſ श्राणाधाराभञ्चाभभागितिहरू

भाक्ष्यः हात १६६ अहम ७५६ हा । जामराध्या हा अहम हा अहम सह उट ए 1 <u>भन्य</u> प्रान्ति । अस्ति स्वार्धार त्राची स्वार्धित स्

णागिलीम्बद्धार ছ্ৰদ্ৰেষ मर्रोक्टन रुजन प्रमुख भ्रम् ी**षा**००ऽद्यक्तीणसम्बद्धाः नारम हर्ज्ञ ऋगिरोधभक्त अध्यातिहरू **മ്പിനുംജന**ര് മായിനുജന്യേര് വരുപ്പത്യ જોાગારમગાલ 亚名皿 #Laganay **भारि**श्चिद्धि **४.३०० अभागान्य**

णीलदर्भन रिष्टेस एक पार्टिस पार्टिस विकास पार्टिस पार्टिस विकास पार्टिस पार्ट

र हराजी दील र्रजीय र्राष्ट्र तरिस

११ भटन १८३३ मध्यम ४५३३ माजभार्य ह्या १८५५ मा

ALTE.

...ह्य दर्मेट र्यम

मा, प्राप्तातक प्राप्त त्र त्र प्राप्त क्षेत्र के । भारता के प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र के प्राप्त के प्राप्त क्षेत्र के प्राप्त क्षेत्र के प्राप्त के प्रा गुरुष्टामा पिर्धारिक प्रमार्थे विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य 20e0s Hostweet 22, Ho

स्राध्यात्म्यात्म्यात्म्यात्

गोस्त्रार्ण ஹ்யசூர **戸加い到<u>知</u>**に ११ दर्श **戸加い到<u>知</u>**

४७<u>४८</u>७ हरस्त्रं ग्रे स्प्रेस प्राप्त २२०३ **සං**දූධාණු යුදුකණු ॥ भट्टें ४०२०१ ७८० उद्यंजासभ्या हो त्यार्वे प्रामीत

। निर्देश स्थानाम स्थापन स ME TO THE TO THE THE COURT OF T ... ह्य दर्से द्रस

सिट्रां मिल्रा हिन्दू हिन्दू है जिस्सी मिल्रा है जिस्सी भिक्षाक भिर्द्राप्ता है । भिर्द्रा भिर्द्र

जिल्ला पार्क्स, उरायत्वेच अरस्य प्रायाध्या प्रायाध्या प्रमाण ह्यार्थम भिर्द्धासाय ह्यार्थम भारदर् **ಪ**ರ್೯೮೪ **त्तुस्यस प्रशास्यक्ता**। 28<u>2</u>246.∥ क्रिरुधणायः प्रोटार्टें र्रधम स्रोटाम भाग रिष्टा महमण्डर्स (प्रोप्र) म

॥ १५८८ सार्वेदम १५७५ स्थाप्त सामन्त्री पार १५४ व । එද් ගෞණාව , එපණාගයනා දෙනගනපහනය නෆ<u>ුභ</u>ා1 सद हाएणार्च हिंदिह पार्श्टिल्य प्राम्सर प्रोपाटार, दे४ होगम टॅक्सटब्रह्मी पर्णालख प्राप्ताप्रस्थे स्वायरभीम रुद्धज्य भारत्यं प्राप्त ीण हर्द्ध रिष्ण भर्म

മപ്പോ സ്പ്രാര് സ്ഥാര

गिराधाः साः स्याः स्थान

मिटी व अंग रणअन्भरस्र भागम प्रम्पट सिंदर प्राप्त उपार के सामित्र के सामित्र में स

हर्यक्तास , रिश्क र्रक्षिय प्रया प्राप्त ॥ प्रतारभया १५ में अधि २० भारत प्रताप अस्त्र अस्त । भीमार प्रस्तित एक जीवज्ञ प्राप्त । एस भीभा एक जीवज्ञ प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप ीणीएक पार्करें ॥ ऋतिर्येंड पार्वम र्स्वभन्न स्पेंक रिर्वेंड पर रिटीमापा भिर्दासाण्य हार्णेस एपाण्य १९५५ भिम प्राणीम ोष्टालमीध रू ३ जिल्ला

एउन्ना स्वाम् स्वान एक प्रभूता स्वान प्रभूत प्रभूता स्वान प्रमुल

ന്റാം सर्वामा उत्तर्भम काल प्राचित्र हिन्दी हैं। रिभार समित प्राप्त है है है में का अर्थ स्थान स् , मार्ग्याम ह्या हुमारी हो। जन्म हो। जन रूटाउँ भिम्म पाठावार ोपाठर्द्धकाम त्रहणमत्रवाद पावाराअध्यक्त हांभेंड उत्तर्भ एक एक एक एक एक प्राप्त ४७५४४ स्ट्रिट ट्राप्ट्रिक अभ<u>र</u>्व प्रण्वंम द्वस्य । दण्योगा भिन्<u>र्यत</u>्व र प्रत्यम् मधे भिष्ट<u>ुभष</u>्यः भा रण्याम स्रोतम मह्मम मह रदर्क निरूष्या भारत द अन्य स्वामासम्बर्म भारतम रिरोक्तिमाण्य प्पीर्रेक्त पारिक्त सर्म भारित द अया सहजानर जापीलभन<u>्यल</u> रूपा भारमर पारस प्रत्यस र्फेर २९२ 'ध्या र्गाएं हरभागाधम एयः भारत्य<u>रं</u> एकभागाधम यथ्य प्रहाधाध रं रह्म मधैर इं ट्रामित अल्लाम् कार केर देखा अन्य केरा ताल सामित कार केर देश हैं है जिस अल्लाम कार्य केर देश हैं

अराधिक कि कार मार्ट के प्रति हैं है है निर्माद त्त्राहरूक्तभारक्ता होहरूक्तभारक माहित्य अत्यापात स्वापात स्व रदर्ज रिटीएमाप्र प्रश्न अभ्याजाता रेमाप्र हर्तम विप्राप्ण रिद्यां

प्रभाभ्ये इराज्य क्राम्बर्क ॥ යිවස කෙස කියු සහවාදය සහවාදය හමය අයදුරුව කෙසාවසයක යන ගයා යන්ව කයන්වාග පපුණුවකය කදාස සාහයෙක්ණුන අයට අයවස ह्यात्र हास्य ३१-२१०३ ईमाष्ट्र हास्य होस्य भारत्य अपने कार्य कार्य कार्य कार्य हास्य हास्य १६० हास्य १६० हास्य हिस्तामार्थ हानुस्त स्वराधिक प्राप्तिक के स्वराधिक के स्वराधिक स्व र्षिण पर्णान

> प्रोरटनमाएनम् म्हर्स प्राप्ताना प्रश्नित्वा प्रार्थन भारति । ॥ गार ෆෆනෆෙයර් වූදන් නෑපණැල් දුරාල්ෆන් මහා මහන සහම්ගල් अमर्ड सरस्य स्थान १२०३ ईमाया , रिदर्क उदर्श भारतभाषा हर्रम विधायाण्या राभहण्य याजम राजम राज्य भण्यातम हो हर भार भण्यात <u>ऋर</u>ीष्टा प्रशास प्राप्त होत्र होत्र व्याप्त होत्याप्त होत्य

भिर्दाषाण्यत रणणीठीय स्वार्थम स्राप्त) १२ तर्इर ,र्जमत මනවාන වයරු <u>අය</u>්හ පහපුවේ වෙන්ම ජව්ෂමය ((CD මෙම ग्राया सामा सम्प्राताम भागानाम प्राप्तायम प्राप्तायम प्राप्तायम सामान ॥ अयान्ध्राम् अप्रभार्य म्हार्य स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन उद्धारिक मिद्रिकाल सिक्ट जन्म रामण विभाराधन धनम

 \mathbf{v} \mathbf{v}

॥ भगभन्त द छन्य पामसीणरप्रजनभयस्तर्स छन्य राज्ये। १२ दर्घर, रवंसद

स्रक्षण सर्धेता शक्ष<u>ण्य</u>क्षण स॰काष्म॰न ल<u>गात</u>िहरू॰सक

॥ भिर्षेद पाठक ज्रह्मक पाउरभीम भाजीन्त्र होन्दैन जप्तु होभदर्भ

,ौब्रदर्व छंद द्रम एप्पर्वम

देजभर्रा एगा। प्रस्त देशधार्थाएर प्राप्ता निवास क्रिया क्रिया है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा

क्रमहेन, ट्रटेफ ११ वर्षे पण्ड राण्य ०३ किर गिर्धिम ३(८०) ग्राप्टिय प्राप्ता क्षेत्र व्याप्त व्याप्त **गास**एस्रण ਹੈਲ•ੇ∭ਟ⊪ भगोर्क भाजधामुन गारीज्याणीय шсэнт жибыт глент व्यक्ष देहरे प्रमुख रेड ह्यू ीम्पणशास्त्र प्र<u>भक</u>्षमार रुट्टा प्रदेशन दर्गाम भाषणम प्रमद प्रस्त व्यात विषय अध्य विभव्य विभव्य हुनाद्यस्य अताक सामान द्यासा എസ്റ്റി വന് വിധിച്ചു रस अर्भरुदर्भ्य विषयि <u>भिष</u>्टि त मंम रिभव्दर्ज भारत्वर्षार्घ ౽ఄఙ౺౽ఴ௱ ୯୩୩୬୬୪ π ळेळा उसर देशभाषिक വുമെമെ

ज्ञाहरूत प्रकाण विद्या<u>त प्र</u>

रभ्याति विषय स्वापित

ब्रिक्स सुन्नारम् भ

ന്നുവാധിനായ ीठवर्गाएभेंम



ह्रेज्डल्जी

रणा स्ट्रिक स्ट्रिक प्रतीमालक जन्मीबर एल भारतिकार प्रतम्म ਰੇਨਾਘਰਾਂ ਸ਼ਰਦਾ ਨੂੰਸੀ। उरा गोरुष्ट्रस्वात पारु

भ्यः होटा<u>भ</u>ार विद्यार मध्या र्टि स्टर्मा ज्यान जिल्लामध्य जे. ह्याशिमद्रांत ग्रज्ञरह म<u>क्ल</u>दर् ग्र<u>क्</u>रज्ञक्तं र्णषा रिथिट रिकासीयम ,ीयदर्व किस ,ीयदर्व स्वाधिमर्स्मात िर्भाष्ट्रभार भारक्ष्यतं र<u>क्ष</u>य्यते प्रामेण भागम ग्रामपुर्वम विभिन्न र्द्रात्रेण गिणाटाटा क्यों इंटि हर्दम व्याधिद्र पोटार्रम प्राप्त प्राप्त प्राप्त र्न्हीमार जिल्ला विकास विवास विभूत प्रमुख प्रमुख प्रमुख विमुख ७व्यर्र गौर्राभध्य भालम प्रमुद भारहर्ष क्यांत रदर् चारदर्भम ॥ १५५५ ज्रुष्णमा प्राथम १०११मा पर्वपाञ्च सर्वर्भम भाभाभम मेक्या देश्वाप्रस्था

, जणार्मात प्रमाणिहन् प्रत्या हे भाष्ट्रम प्रमाणिहा प्यमियास्य प्राथ्य हेर रामा सरपार्थ्य प्रमण्ड प्रमण्ड प्रमण्ड णिलिस्त्रं विस्वार्यं । विज्ञामा रहणाज्यार्थं भ्रम् भर्ते रहर्माण्या ଷ୍ଡିଅ ଜଣୀଠାଦବ୍ୟାଦ୍ୟ ସେଥି । ଏହା ଅଟମ୍ପର୍ଷ । कर उपास पारी रेजा विकास के जास मार्थ हैं हैं है जिस सम्बर्ध हैं है जिस सम्बर्ध हैं है जिस सम्बर्ध हैं है जिस सम ॥<u>भन्य</u> हे होबीमा र्रह्य हाण विषठ हा विजय स्थान भारति ।। भिरुद्ध १५ वर्ष १५ वर्र १५ वर्ष १ र उप्पाया रिक्रम निर्मात्र निर्मात स्वार्ट रिक्षेट स्थान निर्मात स्वार्ट हा जात्र सार्वे निर्मात स्वार्ट स्वर्म निर्मात स्वर्म स्वरम्भ स्वरम स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स् हमभाषा प्रतिपाल सपछ राजा एक्ट रेमन्म रिपार्यण मरदर्प भरतापनि सिप्यमिष्ट भारापार्थे सिर्हास राज्य स्वाप्त स्वाप

र रवार्गात जीवाग पर्वतीमालेन

° \mathbf{P} ፈዖ \mathbf{X} እአሙ \mathbf{X} שלטשי \mathbf{X} שלטאל אלא \mathbf{Z}

(मदःग्र) गटापील दर्भक्रम विद्यार्थालेख रञ्जारम : २२ दर्क, व्याप ර්යේප රාਜ पाध्यक्रकोन्न धाष्ट्रकोर प्रात्मक रिदर्श आधारिजन े एता माण भरवाद्य खोटावर रूध्य देंद्र स्टेंद्र स्टेंद्र जमभस्तत्व भौजधन्मला ज्याजा विकल्पायाला विद्यालमात्वा जत्वे भन्तरभर भरपाद्यदर्द रिप्रक रक्षित्र ॥ रिपायक्षिपाद्य समाग्र रक्षित्र आरपाद्य रहण्याप णाणार प्राापि प्रकेर रोज्यटेन्डर्म जीव्यटेन्यर हिन्स्य प्राप्ति ीत्रस्टर्ट्स देखा रोजपाजपार्न जीटाम प्रोटादर्भन्तेम रोभेन्द्रणादर्प्य रम्भोरमर रतम रह्में निर्माट रहकेंद्र न<u>ामक</u> भा<u>भन्</u>द्र भर उदर्ब्द गारभर न<u>ामक</u> भारमर णाठाप्रश्वेदम भर्में। ,गात्पाठरुणाञ्चल पार्ट पेगाउटे पाठरिक्त पार्टेञ्चार रुखा द क्रेस्ट्र राट्या रख्याध्ययं राज्य राट्याया. आत्याध्ये रिप्टें रेगागरभर रब्ह्याय ॥ गिरीन्सभर हुम भरपाद्य जीटापक्र जहुन्हें क्रियां नाप्त रज्ञाय ट्राह्मचर्चम

रिंदेड ५२ ज जिस्सामार्थित १२ दर्स

र्स सम्म महीस राख्याहाना जा (ह्यासम) अल्जाहान के प्पीठेँर प्पीठेँर छरपार्ध्यामा ह्रड॰५१म अह्रभ्रम ह ३ भिराध יාහාමන හායන ඔ්ෆෆය ඐඔ්ෆරණ්න ප්රේක හ්අර් හසමාග ഷ്ട് സലിച്ച മാച്ചിറ്റമ്പർ മറാക്കാ മാച്ചപ്പെന്നും ജമപ്പോ छर्रन्मद .र्ह (रिरोटा<u>र</u>िष्णा) भिरुल<u>भाषा</u> अञ्चर भणरत्वामम छदर् \mathbf{u} किया भी किया हिल्ला प्राप्त क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र

भर्यस्य पारिहरूगाम द्वारा भेरा भिष्मिरि

ज्ञाहेन, ट्टेंड १९ : ११ कार्य प्राप्त होते । णोध्याम १४६६ ए.स.२० ८.क.वे.क. १ता (एष्पाप) क.८.९प्रत्यतास्त्र ॥ <u>भन्य</u>पार्याणात रहेट दर्सम भारतील स्वरहर ०२ प्राप्त पार्येक प्रमुक्त जहदर्क की भूक जाएस र्लाइट मजर्सिंग स्वादिर के जोर जिल्ह्या र्दे एये गिरुद्धई २२-२२०२ ईमब्ब रिडिस्ट जार्थेंड रहेक्र गिर्णाटिक्षरमञ्ज и විපායම් සමාන ප්රචන් සැක්වේ සහමාන් වරාගත महीब मरदर्शाय , रिस्सुया प्रांतर <u>भ्वत</u>्याय राजात दें जालका प्रकार र्स मंदर्शन स्वरत्यंत्रर प्राया स्वर्या स्वर्याः सरावेर स्वरत्यंत्रर प्रायाः स्वरत्यंत्रर प्रायाः णीषार्थार प्रणालम हेस्सा मर्राज , अञ्जलाल<u>भा</u>र प्रथम विषेत्र मऽस्टर्धेर ,४७७४ता<u>भ्या</u>त अर्दार प्रथमन्त्र क्रिएभाम म<u>भ्य</u>ट्टर, ४७७४ (भ<u>भ्य</u>ात भिरुत<u>भाषा</u>ण गणिया महीन, रूजन्हाल<u>भा</u>र लदार छेंदीम <u>भिह</u>न्नमह ा १५७११ व्याध्या मेराइड एक्ट्रीम ए॰५५१४ स्थापार्क मारामक अध्य

°भूत्रणाध्याः राज्यः स्थान्यः स्थान्त्रः भूत्रं स

भ्रज्ञभारी हार प्रस्ति भ<u>्रत</u>्रज्ञाम द[्]राभंग ः १२ दर्हरू , र्रमंगद யിඅයේ ගෑම්ෆ ගය්ක්ර් asස්ර්ය අයක්රුකු ,මහංයේග්මෙම द्र क्लिसीत मार्या मधीय भिग्नाताचा विज्ञ स्तर मधम राज्ञ हुए द क्लिस राज क्रांज्य विशासिक्या विश्वास हेन्स हेन्स हेन्स हेन्स स्थापन क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्र र्यर⁶म मॉल्ट्र स्टामस्त्राष्ट्र क्या निवास भारत त्रवर्थ क्र<u>म</u>्बान्याम् प्रता 11 टिप्पर्कर स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप

.....क्रयाण्या पारित्रदेशक्रम

भग्रह्मर दिलां मुस्त्रिय हुए स्ट्रिय हुए स र्के सरस्रवं भार १ भरमण सभंत दर्शामांत जरमाल जामा प्रात्म प्रात्म प्रात्म जार पारम् स्थल जीमर्गा प्राप्त पारमण भारति पारमण भारति पारमण भारति पारमण ीणहीमा उंम एद्या मारुणाँच पाछिपामा हपािंटद भेर्देम हटपार्टम र्कें स्टान्सीय दर्जाणर्प सर्वर २ पाम रोसपा परिष्य मधेर भिद्धः भारत प्रत्य अन्यार्धित स्टर्व विरोजमा ा डिप्पर्थन्स्याद्ध रहाम रूथिंग्स आपाद्ध रह<u>ानमा</u> राज्ञेशक्र दर्भ

ALEU.COUCH MIGHT, MILLY, MILLY

ਸਲਭਾਨ ਸਲਦਾੰਨ ਸਾਸਜਾਨ ਵਿਜਾਹਿਕ ਪੈਂਧਾਨਿਕ : 22 ਕੁੰਤਰ, ਸੰਤਸਕ रदर्ज भिम राजें पार्राचन दर्ज पांशात पालमाम रिदर्मम, रदर्भम ीजीन्सर्गट देवारिदर्ड सक्र (प्रशास ८१५८,५५५) मध्याटान्य हे अराजार्क का टाणहे जात र जारीय के स्थार्थक साहरू , राजदंड । भिदर्श राजाटार्चाध्यामा रामप्र राष्ट्र श्र भीमप्र रह्मर्च

नुस्तान्त्र मिस्ट्रिट

क्रमहेन, टुटेक ९९ : ए॰प्प्राया नेक्षम ऋंक्षर ट्राया (ए॰नेऋ॰न), ऋ रूछहर्टणाल सर्छ २९.३ प्राग्ना रोउपण भाऽर भागिलक्र दे मक्र प्याभिदर्द प्पीछापा॰स्टीर्डां ४, इ.स. मुह्मा १८, इ.स. प्रतासमा ६ इंड्रेस भीठभीठ स्टर्बर १ पाम हो उपार भार भार भार के पार के प्राची के प्राची म भूगाणम रहे रूबर स्ट्रम जिस्साद मण पानिदर् रद जाप्राप्त ॥ भिदर्श १५५७५ मध्यः भाषाः अष्ट<u>त्रमा</u> ९९५५मा

<u>भन्त</u> पार्या मा सम्यास्य । भारत अन्य

जनित, ट्रेंड ९९ : सर्पामुल एक्ट र्राण्य टेमपिट फ्रांप्स होस्त ेणामार्थ ज्रह्मारा उर्छमार प्रकार प्रधानिक प्रधानिक स्थानक स्थान र्मिंद परिस्टेमिश्रा मधेर भाष्ट्रें एग्रस सम्बन भार्जेंडपार एरस्र रद्या निक्ट<u>नमा</u>रण भार्यवार्य रूक्टर इंटर <u>भर</u>वार्यवात्रात लाएम पास्टे ा डिप्पार्थन्सार्ध्व न्नमण 'भिष्ट छालपार्धः रह<u>्मभा</u>त उन्नमंभे संद्वाप्त

ില് ജ്യാന് വര് കാർ പ്രത്യേത ഗാ<u>പ്</u>

ए द्वास १२२ हर्टेड ५५३ । स्ट्रियान प्रेयामाध्य १४२ हर्टेड , स्विमद भाषतवारीलीमस्त्रीतीमायु डिग्विटर्स्य भवसम्भ भारतम्य रह २३ भारित्रयर्धे जहुञ्चील रोधदर्ग पण्टिषा भार्रिडर्म मण थर् हन्स्वार्थ <u>अभा</u>र हर्न्ण ण भिरु<u>भक</u>्तार रिटीटा<u>र</u>मा भाउना प्रतार प्रतार्थ प्रतार्थ सार्थ होत ॥ डिप्पश्रेस्ताद्व स्टम्म एक्टिस भएमार्ट्स स्टल्मार गञ्जन्स्रीड

रेज्यक्षात्र भारत्यार

र्डेस्ट १८३ प्राप्त अधीय सामित्रमः ११२ दर्हर ,र्ह्डमद ಹೆಕ್ಕೆ ಬ್ಯಾಕ್ ಜಾಂಚಿ ಗಿಂಗ ಗತ್ತಿಯ ವಿಕ್ಷಾಗಿ ಕ್ರಾಗಿ ಕ್ರ हर्द्धण गिणाणक्रिशेडक्षण पालमण ४१होह्रक्षण प्रिपाण<u>ेक्ष</u>लोह रोऽभंग पालमण ४%तिहण्या हरण रोबपार्याण मण मनीम हिरी ,ाण था उ खपामहीपारञ्जूतं पाग्रस पहुरि पाञ्च ॥ डिप्पर्थन्तवार्थः आरभ्जादी भिन्नर्विद्धदर्भ विद्यापा<u>भभ्य</u>द्धशाह

'म्रॅंलेमयुगा त्तर ज्यान मुद्राप्त दूब टमर्रा एरोमर हरकितः,

एक एउस्स चारकर (क्री मिंदिक) हुन्त प्रताप कराज्य होत्रमण म'Oaर्ड 'या रथा मध्या छबर्द <u>भभ्ब</u>र्छ ग्रारभ्र रिब्राधिभर्या रि बर्ग रम ॥ डिप्पार्थः स्वाप्य र स्थाप र स्थाप स्थापित स